स्वाभिमान

परियोजना बिहार

ग्राम संगठनों की साझेदारी से किशोरियों तथा
महिलाओं के पोषण में सुधार के लिए

ग्रामीण विकास विभाग बिहार सरकार

ROSHNI
Centre of Women Collectives
Led Social Action

Technical support unit of Ministry of Rural Development, Supported by UNICEF India

अस्वीकृति: दस्तावेज़ का अद्यतन, डिज़ाइन और संपुष्टि रोशनी केंद्र ने किया है।

स्वाभिमान

परियोजना बिहार

ग्राम संगठनों की साझेदारी से किशोरियों तथा
महिलाओं के पोषण में सुधार के लिए

(ग्रामीण विकास विभाग बिहार सरकार)

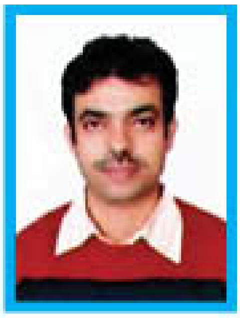

अरविन्द कुमार चौधरी, भा.प्र.से.
सचिव
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका)

बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका), ग्रामीण महिलाओं के सशक्त संगठनों का निर्माण कर आजीविका संबंधी गतिविधियों का संपादन करते हुए उनके सशक्तिकरण के माध्यम से ग्रामीण परिवारों के सर्वांगीण विकास का निरंतर प्रयास कर रही है।

सशक्तिकरण की इस प्रक्रिया में महिलाओं के स्वास्थ्य तथा पोषण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पायलट के रूप में जीविका प्रायोजित ग्राम संगठनों द्वारा ''स्वाभिमान'' परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसमें जीविका तंत्र की भागीदारी महत्त्वपूर्ण रही है। यह लोक कार्यक्रम के रूप में व्यापक तौर पर चर्चित हो, यही इसकी सफलता का मूलमंत्र होगा।

''स्वाभिमान'' परियोजना के लक्ष्य को धरातल पर लाने कि दिशा में यह मार्गदर्शिका तैयार की गई है, जिसमें क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों से संबंधित बिन्दु समेकित रूप में समाहित हैं। आशा है, यह मार्गदर्शिका परियोजना कर्मियों तथा समुदाय के क्षमता-संवर्धन में सहायक होगी।

शुभकामनाओं के साथ।

(अरविन्द कुमार चौधरी)

विषय सूची

01.	स्वाभिमान परियोजना क्या है?	01
02.	स्वाभिमान – ज़रूरत	02
03	स्वाभिमान प्रखण्ड – कस्बा एवं जलालगढ़ के 100 प्रतिशत घरों तक पहुँच	03
04.	स्वाभिमान – लक्ष्य समूह	04
05.	महिला पोषण के लिए आवश्यक पाँच रणनीतियाँ	05
06.	स्वाभिमान एवं विभाग	06
07.	स्वाभिमान – सहयोग	07
08.	स्वाभिमान के अंतर्गत गतिविधियाँ	08
09.	जीविका के साथ क्रियाएँ	09
10.	स्वास्थ्य विभाग स्तम्भ – तीन विषय जो मुख्यतः स्वाभिमान के लिए होंगे	10
11.	लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण विभाग स्तंभ – स्वाभिमान हेतु	11
12.	आई.सी.डी.एस. स्तंभ – स्वाभिमान हेतु	11
13.	स्वाभिमान – तीन रणनीतियाँ	12
14.	अनुश्रवण एवं प्रभावी मूल्यांकन	12
15.	स्वाभिमान दल	13

01. स्वाभिमान परियोजना क्या है?

- किशोरियों, नवविवाहिताओं गर्भवती एवं धात्री महिलाओं पर विशेष ध्यान; खास कर जो कुपोषित हों।
- खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, परिवार नियोजन सेवाओं को ग्राम संगठन स्तर पर एकीकृत करना।
- संस्था को मज़बूत करने में मदद एवं जीविका ग्राम संगठनों को सहयोगी बनाना।

02. स्वाभिमान – ज़रूरत

पूर्णिया जिले में पाँच वर्ष से कम उम्र के 44% बच्चे कुपोषित हैं।

50% कुपोषण का प्रारंभ माँ के गर्भ से होता है।

गर्भावस्था के पहली तिमाही का कुपोषण जन्म के समय कुपोषण के मुख्य कारणों में से है।

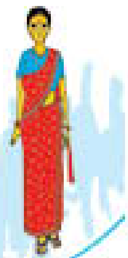

5 विशेष सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु किसी रणनीति एवं नवविवाहिता महिलाओं खासकर कुपोषित महिलाओं के लिए कोई प्रावधान नहीं।

गर्भावस्था में कुपोषण के मुख्य 4 कारण हैं।

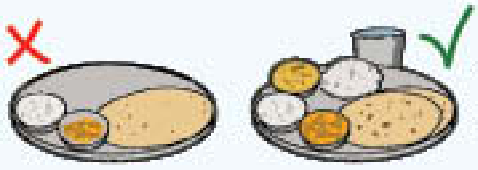

भोजन (मात्रा एवं गुणवत्ता) में कमी

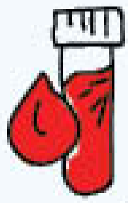

अनीमिया (खून की कमी)

स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन की सुविधा तक पहुँच नहीं हो पाना

स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय की सुविधा तक पहुँच नहीं हो पाना

03. स्वाभिमान प्रखण्ड – कस्बा एवं जलालगढ़ के 100 प्रतिशत घरों तक पहुँच

प्रखंडः जलालगढ़

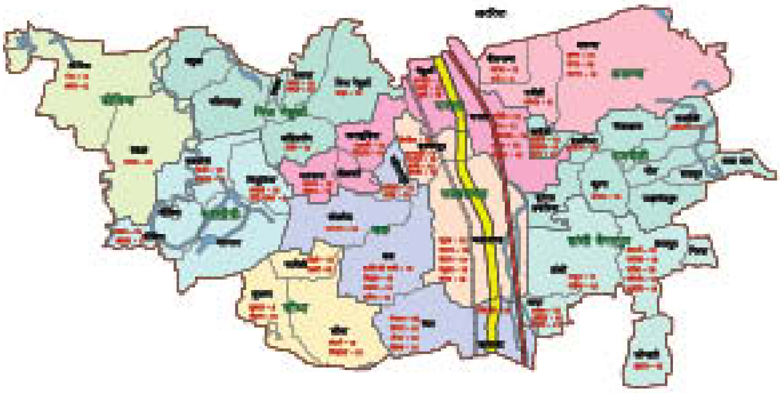

2011 जनगणना अनुसार	कुल राजस्व ग्राम	47
	कुल पंचायतें	10
	कुल जनसंख्या	1,12,951
	कुल महिलाओं की जनसंख्या	54,481
जीविका आंकड़ा (जनवरी, 2018 अनुसार)	कुल ग्राम	47
	कुल संकुल स्तरीय संघ	1
	कुल ग्राम संगठन	77
	कुल स्वयं सहायता समूह	1,263
	संकुल स्तरीय संघ के अंतर्गत ग्राम संगठन	29
	ग्राम संगठन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह	938
	लक्षित घर	19,478
	स्वयं सहायता समूहों से जुड़े घर	15,544

प्रखंडः कस्बा

2011 जनगणना अनुसार	कुल राजस्व ग्राम	61
	कुल पंचायतें	13+1
	कुल जनसंख्या	1,57,020
	कुल महिलाओं की जनसंख्या	76,462
जीविका आंकड़ा (जनवरी, 2018 अनुसार)	कुल ग्राम	57
	कुल संकुल स्तरीय संघ	2
	कुल ग्राम संगठन	53
	कुल स्वयं सहायता समूह	1,546
	संकुल स्तरीय संघ के अंतर्गत ग्राम संगठन	39
	ग्राम संगठन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह	1,126
	लक्षित घर	21,462
	स्वयं सहायता समूहों से जुड़े घर	16,657

04. स्वाभिमान – लक्ष्य समूह

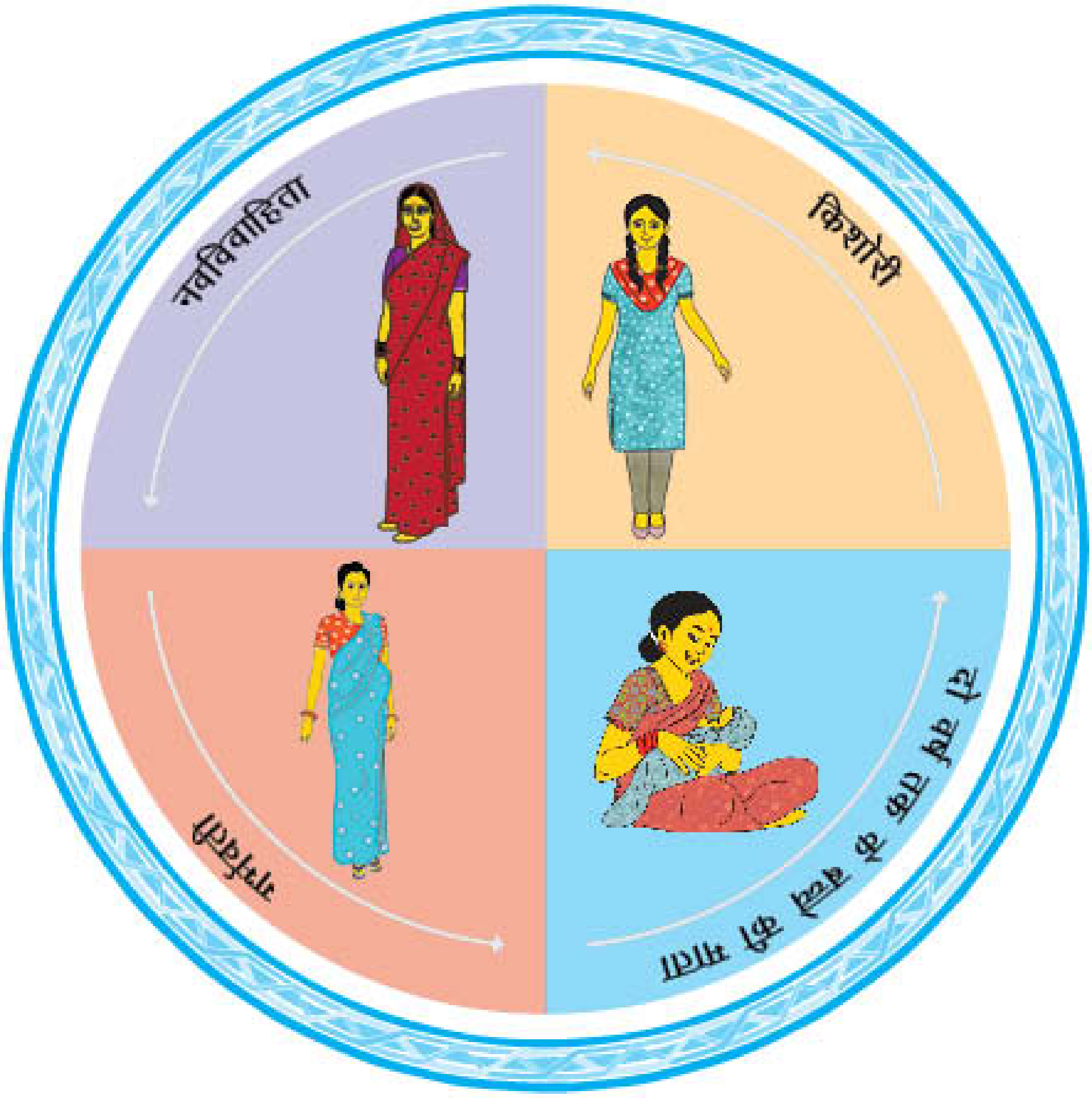

05. महिला पोषण के लिए आवश्यक पाँच रणनीतियाँ

01

माताओं के लिए भोजन (मात्रा एवं गुणवत्ता)

जनवितरण प्रणाली
समेकित बाल विकास सेवाएँ

02

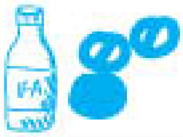

अनीमिया से बचाव

03

वी.एच.एस.एन.डी. सेवाओं तक पहुँच

04

परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुँच

स्वास्थ्य

05

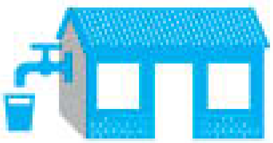

स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय सुविधा तक पहुँच

लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण

जीविका ग्राम संगठन, सुविधा की माँग, जीविकोपार्जन सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण

06. स्वाभिमान एवं विभाग

हस्तक्षेप	सह-हस्तक्षेप	विभाग (प्लेटफार्म)
माताओं के लिए भोजन	आई.सी.डी.एस. के द्वारा प्रदत्त पोषाहार तक पहुँच	समाज कल्याण (टी.एच.आर. वितरण)
	भोजन में विविधता एवं माँ के सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अधिकारों पर जागरूकता	जीविका (समूह बैठक)
	घर के आँगन में पोषण कृषि को बढ़ावा	जीविका (समूह बैठक)
सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी तथा अनीमिया से बचाव	लौह एवं फॉलिक एसिड का संपूरण	स्वास्थ्य (वी.एच.एस. एन.डी.)
	आयोडिन नमक का प्रयोग	स्वास्थ्य (वी.एच.एस. एन.डी.)
	मातृत्व कैल्शियम तथा कृमिनाशक का प्रयोग	स्वास्थ्य (वी.एच.एस. एन.डी.)
	तंबाकू एवं मदिरा सेवन से बचाव पर ज़ोर	जीविका (समूह बैठक)
वी.एच.एस.एन.डी. सेवाओं तक पहुँच	बाह्य सेवाओं को प्राप्त करने हेतु शीघ्र नामांकन	स्वास्थ्य (वी.एच.एस. एन.डी.)
	वी.एच.एस.एन.डी. एवं किशोरी स्वास्थ्य दिवस में गुणवत्तापूर्ण पोषण अवयवों पर ज़ोर	स्वास्थ्य (वी.एच.एस. एन.डी.)
	संस्थान प्रसव	स्वास्थ्य (वी.एच.एस. एन.डी.)
	कुपोषित महिलाओं की पहचान (मातृत्व एमयूएसी (MUAC))	जीविका (समूह बैठक)
परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुँच	परिवार नियोजन के साधनों का प्रावधान	स्वास्थ्य (वी.एच.एस. एन.डी.)
	महिलाओं के स्वास्थ्य, परिवार नियोजन तथा अधिकारों में जागरूकता के लिए विशेष शिविर	स्वास्थ्य (नया)
	किशोरी बालिकाओं से मासिक बैठक	स्वास्थ्य (किशोरी स्वास्थ्य दिवस)
	नवविवाहिता के लिए विशेष पैकेज	जीविका (समूह बैठक)
स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय सुविधा तक पहुँच	ओ.डी.एफ. योजना हेतु राशि की पहुँच	पी.एच.ई.डी.
	लाभार्थी परिवारों की सूची उपलब्ध कराना	जीविका (समूह बैठक)

07. स्वाभिमान – सहयोग

08. स्वाभिमान के अंतर्गत गतिविधियाँ
पहला और महत्त्वपूर्ण चरण

(क) समुदाय में सरकारी सेवाओं की माँग बढ़ाना एवं व्यवहार परिवर्तन

- पोषण/किशोरी सखी का एकीकृत सूक्ष्म नियोजन पर प्रशिक्षण
- पोषण सखी ग्राम संगठन का तीन दिवसीय एकीकृत सूक्ष्म नियोजन का संचालन करेगी
- मूल कारण, प्राथमिकता निर्धारण, गतिविधि, योजना निर्माण, बजट
- एकीकृत सूक्ष्म नियोजन पर ग्राम स्तर की सहमति
- पंचायत स्तर पर ग्राम संगठनवार एकीकृत सूक्ष्म नियोजन का समेकन
- संकुल स्तर पर पंचायतवार एकीकृत सूक्ष्म नियोजन का समेकन
- संकुल स्तरीय संघ तथा जीविका के बीच सहमति

एकीकृत सूक्ष्म नियोजन

जिला पदाधिकारी द्वारा अध्यक्षता एवं स्वीकृति

(ख) सरकारी सेवाओं का सुदृढ़ीकरण

- सेवाप्रदाताओं के साथ 3 दिवसीय एकीकृत सूक्ष्म नियोजन
- मूलकारण, प्राथमिकता निर्धारण, गतिविधि
- प्रखण्ड स्तरीय परिणामों का जिला स्तर पर समेकन (1 दिवसीय कार्यशाला)
- समझौतों का सार्वजनिकीकरण

09. जीविका के साथ क्रियाएँ

पोषण सखी
द्वारा मासिक मैत्री बैठक
(एकीकृत सूक्ष्म नियोजन
के विषयों पर
आधारित)

कुपोषित
महिलाओं (एमयूएसी)
(MUAC) <23)
की पहचान तथा विशेष
पैकेज

पोषण सखी द्वारा
साप्ताहिक गृह भ्रमण
कर परामर्श अन्नदान
पोषक भोजन

नवविवाहित
दंपति के लिए ग्राम
संगठन द्वारा विशेष
सेवा

किशोरी सखी
द्वारा रविवार को विशेष
खेल–परामर्श
प्रत्येक तिमाही किशोरी
स्वास्थ्य दिवस का
आयोजन

नवविवाहित दंपति की
छः माही बैठक
कुपोषित महिला के
यहाँ साप्ताहिक भ्रमण
मैत्री बैठक में समूह
परामर्श विशेष प्रजनन
स्वास्थ्य शिविर

ग्राम संगठन
द्वारा विषय आधारित
अभियान

उत्पादक
समूह का तिमाही
प्रशिक्षण

कृषि विद्यालय से
सम्बद्धता उत्पादक
समूहों के साथ
न्यूट्री फार्म का
विकास

10. स्वास्थ्य विभाग स्तम्भ – तीन विषय जो मुख्यतः स्वाभिमान के लिए होंगे

1. प्रत्येक तिमाही में एक बार सेवा प्रदाताओं (एल.एच.वी., ए.एन.एम. एवं आशा) का उन्मुखीकरण

- प्रसवपूर्ण जाँचों, परिवार नियोजन, किशोरावस्था स्वास्थ्य, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस में पोषक तत्त्व को मज़बूत बनाना

2. ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस में गुणवत्तापूर्ण पोषण सेवाएँ प्रदान करना

- छः सेवाएँ: टीकाकरण, पोषण, परिवार नियोजन, प्रसवपूर्ण जाँच, बच्चों की बीमारी की पहचान, प्रबंधन एवं परामर्श
- छः माह में एक बार महिला स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन (स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस हेतु एल.एच.वी./ए.एन.एम. को नामित किया जाना)
- मूत्र तंत्र संक्रमण, हिमोग्लोबिन, मलेरिया तथा पोषण स्थिति की जाँच
- माह में एक बार आशा द्वारा स्वयं सहायता समूहों तथा नवविवाहित दंपति की बैठकों में शामिल होना तथा महिलाओं के मुद्दों पर चर्चा करना।

3. पोषण कार्यक्रमों की प्रखण्ड, जिला एवं राज्य स्तर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा समीक्षा

11. लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण विभाग स्तंभ – स्वाभिमान हेतु

- ओ.डी.एफ. योजना से कस्बा एवं जलालगढ़ को जोड़ना
- लाभार्थी परिवारों की सूची उपलब्ध कराना

12. आई.सी.डी.एस. स्तंभ – स्वाभिमान हेतु

रणनीतिः

- आंगनवाड़ी सेविका का मैत्री बैठकों में सम्मिलित होना
- घर ले जाने योग्य सूखे राशन का ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस में वितरण
- महिलाएँ जिनका एमयूएसी (MUAC) < 23 cm हो, उन्हें दुगना राशन देना (नवाचार मद के अंतर्गत)
- राज्य स्तरीय गतिविधियाँ
- सूखे राशन को संपोषित करना
- मातृत्व अधिकार कार्यक्रमों का इन दो प्रखण्डों में फैलाव

13. स्वाभिमान – तीन रणनीतियाँ

14. अनुश्रवण एवं प्रभावी मूल्यांकन

- वार्षिक सर्वे (एम्स पटना तथा तकनीकी सलाहकार सदस्यों के सहयोग से)
- जीविका द्वारा गतिविधियों का अनुश्रवण
- जिला पदाधिकारी की बैठक में समीक्षा

15. स्वाभिमान दल

मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी-सह-मिशन डायरेक्टर बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका)	• राज्य प्रतिनिधि – यूनिसेफ, बिहार • पोषण विशेषज्ञ – यूनिसेफ, बिहार
जीविका राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई	• राज्य/परियोजना प्रबंधक – पोषण एवं स्वास्थ्य • स्वाभिमान – राज्य परामर्शदाता (कंसलटेंट) • स्वाभिमान – राज्य लेखा परामर्शदाता
जीविका जिला परियोजना समन्वयन इकाई	• जिला परियोजना प्रबंधक • स्वाभिमान – जिला परामर्शदाता
जीविका प्रखंड परियोजना क्रियान्वयन इकाई	• प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक • स्वाभिमान – प्रखंड परामर्शदाता • स्वाभिमान – प्रखंड लेखा सह एम.आई.एस. परामर्शदाता
संकुल स्तरीय संघ	• संकुल स्तरीय संघ के प्रतिनिधि • स्वाभिमान सुपरवाइज़र (एक प्रति पाँच ग्राम संगठन)
ग्राम संगठन	• ग्राम संगठन के प्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य समिति • पोषण सखी (एक प्रति ग्राम संगठन) • किशोरी सखी (एक प्रति ग्राम संगठन)
स्वयं सहायता समूह	• स्वयं सहायता समूह के सदस्य

संपर्क सूत्र

स्वाभिमान राज्य परामर्शदाता	स्वाभिमान प्रखंड परामर्शदाता (कस्बा)	स्वाभिमान जिला परामर्शदाता	स्वाभिमान प्रखंड परामर्शदाता (जलालगढ़)

बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति

विद्युत भवन, एनेक्सी-2, बेली रोड, पटना – 800 021
टेली / फैक्सः +91 612 2504980 | 60
ई-मेलः info@brlp.in वेबसाइटः www.brlp.in